चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 06 मई 2026, अंक –272.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

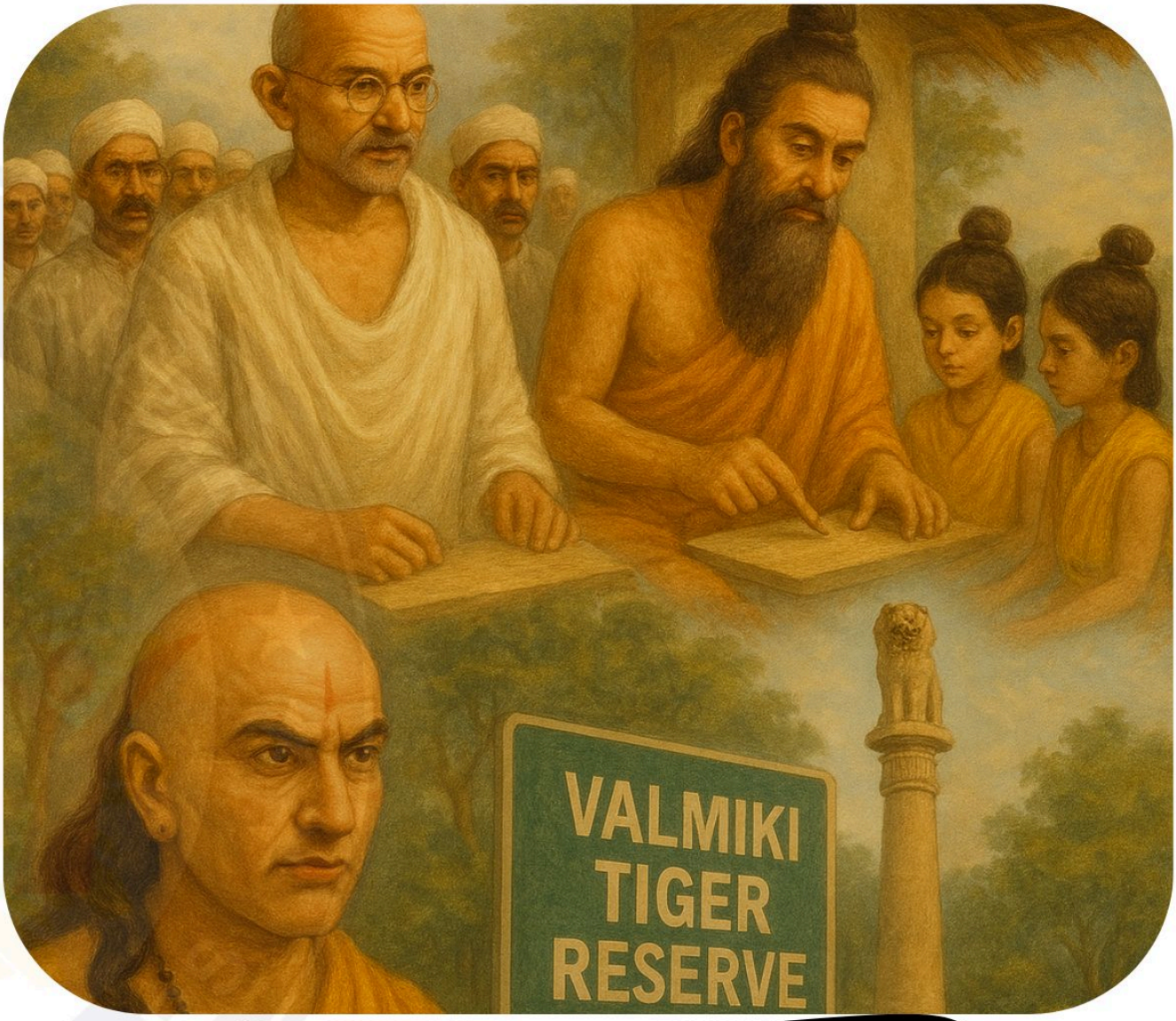

"कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है।"

— थॉमस एडिसन

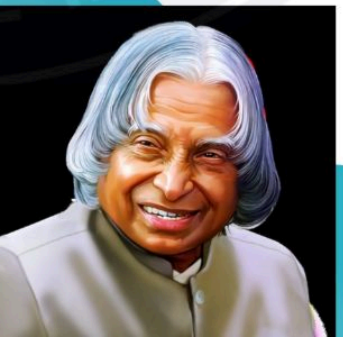

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी क ी बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मिस्र (Egypt) की मुद्रा क्या है?
उत्तर: पाउंड
प्रश्न 2. भारत के पहले अंतरिम प्रधानमंत्री कौन थे?
उत्तर: जवाहरलाल नेहरू
प्रश्न 3. बस्तर दशहरा किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या का वर्ग 169 है, तो वह संख्या क्या है?
उत्तर: 13
प्रश्न 5. बिहार में सोन नदी किस नदी की सहायक नदी है?
उत्तर: गंगा
प्रश्न 6. नोकरेक राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मेघालय
प्रश्न 7. डायनेमो का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: माइकल फैराडे
प्रश्न 8. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की नियुक्ति कौन करता है?
उत्तर: राष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'पढ़ना' शब्द किस प्रकार की क्रिया है?
उत्तर: अकर्मक
प्रश्न 10. पृथ्वी का सबसे भीतरी भाग क्या कहलाता है?
उत्तर: कोर

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Clothes – (क्लोथ्स) – कपड़े
Shirt – (शर्ट) – कमीज़
Pant – (पैंट) – पैंट
Shoe – (शू) – जूता
Sock – (सॉक) – मोज़ा
Cap – (कैप) – टोपी
Belt – (बेल्ट) – कमरबंद

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या वे ... रहे/रही हैं?" (Are they ...ing?)

क्या वे पढ़ रहे हैं? – Are they reading?
क्या वे लिख रहे हैं? – Are they writing?
क्या वे खेल रहे हैं? – Are they playing?
क्या वे खा रहे हैं? – Are they eating?
क्या वे सीख रहे हैं? – Are they learning?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 06 मई को 'अंतरराष्ट्रीय आहार निषेध दिवस' (International No Diet Day) मनाया जाता है। इसका मुख्य प्रतीक चिन्ह (Symbol) किस रंग का रिबन है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: हल्का नीला (Light Blue) रिबन
व्याख्या: यह दिवस शरीर की बनावट के प्रति सकारात्मकता (Body Positivity) को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य के नाम पर किए जाने वाले हानिकारक 'डाइटिंग' के तरीकों के प्रति सचेत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य स्वयं को स्वीकार करना और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना है।
संदर्भ: वैश्विक स्वास्थ्य एवं कल्याण कैलेंडर 2026।

2. हाल ही में संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक रिपोर्ट के अनुसार, कौन सा देश '6G' (सिक्स्थ जनरेशन) संचार तकनीक के पेटेंट और विकास में वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान की ओर अग्रसर है? (समसामयिकी - अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय/बिहार)
उत्तर: भारत (दक्षिण कोरिया और अमेरिका के साथ)
व्याख्या: 'भारत 6G विजन' के तहत भारत ने 2030 तक इस तकनीक को व्यावसायिक रूप से लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) ने भारत के '6G फ्रेमवर्क' को वैश्विक मानक के रूप में स्वीकार किया है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए '6G' के तकनीकी आयाम और भारत की डिजिटल संप्रभुता का यह पक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार (मई 2026); संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट।

3. "मत्तविलास प्रहसन" नामक प्रसिद्ध संस्कृत नाटक के रचयिता कौन हैं, जो पल्लव वंश के एक महान शासक भी थे? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: महेंद्रवर्मन प्रथम
व्याख्या: महेंद्रवर्मन प्रथम ने इस व्यंग्यात्मक नाटक की रचना 7वीं शताब्दी में की थी। इसमें तत्कालीन धार्मिक संप्रदायों और सामाजिक बुराइयों पर कटाक्ष किया गया है। यह नाटक पल्लव कालीन समाज और उनकी साहित्यिक रुचि को समझने का एक अनूठा झरोखा है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10, पृष्ठ 105।

4. पारिस्थितिकी तंत्र में 'संख्या का पिरामिड' (Pyramid of Numbers) किसी घास के मैदान में किस प्रकार का होता है? (पर्यावरण)
उत्तर: सीधा (Upright)
व्याख्या: घास के मैदान के पारिस्थितिकी तंत्र में घास (उत्पादक) की संख्या सबसे अधिक होती है, फिर उसे खाने वाले टिड्डों की संख्या कम और अंत में बाज या शेर जैसे शीर्ष शिकारियों की संख्या सबसे कम होती है। इसी कारण यह पिरामिड नीचे से चौड़ा और ऊपर की ओर संकरा होता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15, पृष्ठ 259।

5. हड़प्पा सभ्यता के किस स्थल से 'सूती कपड़े' के टुकड़े के अवशेष एक चांदी के बर्तन के ढक्कन में चिपके हुए मिले हैं? (इतिहास)
उत्तर: मोहनजोदड़ो
व्याख्या: मोहनजोदड़ो से कपास की खेती और बुनाई के स्पष्ट प्रमाण मिले हैं। चांदी के बर्तन और तांबे की वस्तुओं पर कपड़े के रेशे मिलना यह दर्शाता है कि उस समय के लोग कताई और बुनाई की कला में पूरी तरह निपुण थे। कपास के लिए 'सिंडन' शब्द का प्रयोग भी प्राचीन सभ्यताओं में मिलता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3, पृष्ठ 29।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत के किस राज्य की सीमाएं केवल एक ही भारतीय राज्य (पश्चिम बंगाल) को स्पर्श करती हैं? (भूगोल)
उत्तर: सिक्किम
व्याख्या: सिक्किम उत्तर, पूर्व और पश्चिम में तीन अंतरराष्ट्रीय देशों (चीन, भूटान, नेपाल) से घिरा है, लेकिन आंतरिक रूप से इसकी सीमा केवल दक्षिण में 'पश्चिम बंगाल' से ही मिलती है। यह भारत की विशिष्ट भौगोलिक बनावट का एक अनूठा उदाहरण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1, पृष्ठ 6।

7. भारतीय संविधान का वह कौन सा अनुच्छेद है जो 'समान नागरिक संहिता' (Uniform Civil Code) को लागू करने का निर्देश देता है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 44
व्याख्या: राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 44 कहता है कि राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान कानून बनाने का प्रयास करेगा। यह प्रावधान राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए संविधान में शामिल किया गया था।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 45।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें एक तत्व दूसरे तत्व को उसके यौगिक से विस्थापित कर देता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: विस्थापन अभिक्रिया (Displacement Reaction)
व्याख्या: इसमें अधिक क्रियाशील तत्व कम क्रियाशील तत्व को उसके स्थान से हटा देता है। उदाहरण के लिए, जब लोहे की कील को कॉपर सल्फेट के नीले घोल में डाला जाता है, तो लोहा कॉपर को हटाकर स्वयं सल्फेट बना लेता है। (Fe + CuSO_4 \rightarrow FeSO_4 + Cu)
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1, पृष्ठ 11।

9. विश्व प्रसिद्ध 'लिंगराज मंदिर' (भुवनेश्वर) का निर्माण किस राजवंश के काल में हुआ था, जो नागर शैली का उत्कृष्ट नमूना है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: सोमवंश (Somavamsi Dynasty)
व्याख्या: 11वीं शताब्दी में राजा ययाति केसरी द्वारा निर्मित यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसका शिखर लगभग 180 फीट ऊँचा है। इसकी स्थापत्य कला 'कलिंग शैली' के चरमोत्कर्ष को दर्शाती है, जिसमें मंदिर के बाहरी हिस्से पर सूक्ष्म नक्काशी की गई है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 6।

10. बिहार के किस जिले में 'उदयपुर वन्यजीव अभ्यारण्य' (Udaypur Wildlife Sanctuary) स्थित है, जो गंडक नदी के किनारे एक प्रमुख जैव-विविधता केंद्र है? (बिहार GK)
उत्तर: पश्चिम चम्पारण
व्याख्या: यह अभ्यारण्य मुख्य रूप से पक्षियों और जलीय जीवों के लिए प्रसिद्ध है। इसे स्थानीय स्तर पर 'सरेया मन' झील के नाम से भी जाना जाता है। यह बाल्मीकि टाइगर रिजर्व के पास स्थित है और बिहार की प्राकृतिक सुंदरता को जीवंत करता है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (मई W1): सड़क पर बने 'काली और सफेद' धारियों वाले स्थान (जेब्रा क्रॉसिंग) पर पैदल चलने वालों को कब सड़क पार करनी चाहिए? (सड़क सुरक्षा)
उत्तर: जब पैदल यात्रियों के लिए 'हरा' संकेत (Pedestrian Light) हो।
व्याख्या: आपदा कैलेण्डर 2026 के अनुसार, केवल जेब्रा क्रॉसिंग पर खड़े होना पर्याप्त नहीं है। सुरक्षित सड़क पार करने के लिए पैदल यात्री संकेत का हरा होने का इंतजार करें। यदि संकेत न हो, तो सुनिश्चित करें कि वाहन पूर्णतः रुक गए हैं। 'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा' का यह मूल मंत्र है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम; सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी 2026।

12. 'विटामिन A' का संबंध जो 'रतौंधी' से है, वही संबंध 'विटामिन C' का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: स्कर्वी (Scurvy)
व्याख्या: यह सादृश्यता (Analogy) का प्रश्न है। विटामिन A की कमी से रात में कम दिखाई देने वाली बीमारी (रतौंधी) होती है, उसी प्रकार विटामिन C की कमी से मसूड़ों से खून आने वाली बीमारी (स्कर्वी) होती है। यह छात्रों के तार्किक ज्ञान को विज्ञान से जोड़ता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Loyal (लॉयल) = Faithful / Devoted (वफादार / निष्ठावान)
🔁 Antonym – Disloyal (डिसलॉयल) = बेवफ़ा
2. Lively (लाइवली) = Energetic / Active (ऊर्जावान / सक्रिय)
🔁 Antonym – Dull (डल) = सुस्त
3. Legitimate (लेजिटिमेट) = Legal / Valid (वैध / सही)
🔁 Antonym – Illegal (इल्लीगल) = अवैध
4. Lucid (लूसिड) = Clear / Easy to understand (स्पष्ट / समझने योग्य)
🔁 Antonym – Confusing (कन्फ्यूजिंग) = भ्रमित करने वाला
5. Lavish (लैविश) = Extravagant / Rich (भव्य / अत्यधिक खर्चीला)
🔁 Antonym – Simple (सिंपल) = साधारण

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'National Quantum Mission Phase-II'; focus on indigenous manufacturing of 100-qubit Quantum Computers by 2028.
केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय क्वांटम मिशन चरण-II' लॉन्च किया; 2028 तक भारत में निर्मित 100-कुबिट क्वांटम कंप्यूटरों के निर्माण पर विशेष ध्यान।

ISRO and NCERT launch 'Nakshatra 3.0' portal for school students to access real-time astronomical data from L-1 Aditya satellite.
इसरो और एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों के लिए 'नक्षत्र 3.0' पोर्टल लॉन्च किया; छात्र अब आदित्य एल-1 उपग्रह से रीयल-टाइम खगोलीय डेटा प्राप्त कर सकेंगे।

Ministry of Education notifies 'Unified Credit System' for secondary education to allow seamless credit transfer between vocational and academic subjects.
शिक्षा मंत्रालय ने माध्यमिक शिक्षा के लिए 'एकीकृत क्रेडिट प्रणाली' अधिसूचित की; व्यावसायिक और शैक्षणिक विषयों के बीच क्रेडिट स्थानांतरण अब आसान होगा।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'Global Treaty on Space Sustainability'; mandates debris removal for all commercial satellite launches.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'अंतरिक्ष स्थिरता पर वैश्विक संधि' पारित की; सभी वाणिज्यिक उपग्रहों के लिए अंतरिक्ष मलबा हटाना अनिवार्य किया गया।

BBC Report: G7 Nations pledge $50 billion for 'Green Hydrogen Infrastructure' in Southeast Asia to accelerate energy transition.
बीबीसी रिपोर्ट: G7 देशों ने ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने हेतु दक्षिण-पूर्व एशिया में 'ग्रीन हाइड्रोजन बुनियादी ढांचे' के लिए 50 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई।

World Health Organization (WHO) grants 'Eradication Status' for Lymphatic Filariasis to three more nations in the South Asian region.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने दक्षिण एशियाई क्षेत्र के तीन और देशों को लसिका फाइलेरिया के सफल उन्मूलन के लिए 'इरेडिकेशन स्टेटस' प्रदान किया।

BIHAR NEWS

Bihar Government signs MoU with IIT Patna to upgrade 50 Government ITIs into 'Centres of Excellence' for Artificial Intelligence.
बिहार सरकार ने 50 सरकारी आईटीआई को 'एआई उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में अपग्रेड करने के लिए आईआईटी पटना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

SCERT Bihar launches 'Pratibha Darpan 2026' for digital mapping of rural student excellence across 38,000 middle schools.
एससीईआरटी बिहार ने 38,000 मध्य विद्यालयों में ग्रामीण छात्रों की उत्कृष्टता की डिजिटल मैपिंग के लिए 'प्रतिभा दर्पण 2026' लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

India wins Asian Table Tennis Team Championship 2026 in Singapore; Manika Batra leads team to a historic Gold medal finish.
भारत ने सिंगापुर में आयोजित एशियाई टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता; मणिका बत्रा के नेतृत्व में टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया।

Ministry of Youth Affairs and Sports announces 'Mission 2032'; plans to identify 1000 budding athletes for specialized overseas training.
युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 'मिशन 2032' की घोषणा की; विशेष विदेशी प्रशिक्षण के लिए 1000 उभरते एथलीटों की पहचान की जाएगी।

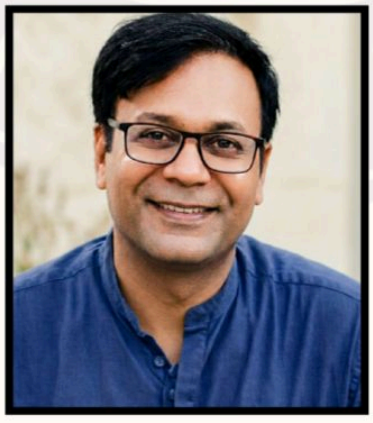

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी

"संतुलित भोजन, स्वस्थ जीवन"

विद्यालय में आज चर्चा का विषय था—स्वस्थ भोजन और संतुलित जीवनशैली। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने पूछा—

“बच्चों, क्या कम खाना या डाइट करना ही स्वस्थ रहने का सही तरीका है?”

कुछ बच्चों ने कहा—“हाँ”, लेकिन मैडम जी ने मुस्कुराकर कहा—

“नहीं, असली स्वास्थ्य संतुलित भोजन और सही आदतों से आता है।”

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—

एक छात्रा थी सपना। उसे जंक फूड—पिज़्ज़ा, बर्गर, चिप्स—बहुत पसंद था। वह अक्सर घर का खाना छोड़कर बाहर का खाना खाती थी। धीरे-धीरे उसकी तबीयत खराब रहने लगी। वह जल्दी थक जाती थी और पढ़ाई में भी ध्यान नहीं लगा पाती थी।

एक दिन विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर लगा। डॉक्टर ने सपना को समझाया—

“तुम्हारे शरीर को सही पोषण नहीं मिल रहा है। केवल स्वाद के लिए खाने से शरीर कमजोर हो जाता है।”

सपना को अपनी गलती समझ में आ गई। उसने अपनी आदतें बदलने का निर्णय लिया— घर का ताजा और पौष्टिक भोजन खाने लगी। फल और हरी सब्जियाँ शामिल की। जंक फूड कम कर दिया।

कुछ ही समय में उसकी सेहत सुधरने लगी। वह पहले से ज्यादा ऊर्जावान और खुश रहने लगी।

अगले दिन उसने अपने दोस्तों से कहा— "स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है सही और संतुलित भोजन, न कि सिर्फ स्वाद के पीछे भागना।”

मैडम जी ने कहा— "बच्चों, याद रखो—शरीर हमारा सबसे बड़ा धन है। इसकी सही देखभाल हमारी जिम्मेदारी है।”

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

“हम संतुलित आहार अपनाएँगे और स्वस्थ जीवन जीएँगे।”

संदेश : “सही भोजन और अच्छी आदतें ही स्वस्थ जीवन की असली नींव हैं।”

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

माध्यमिक चरण (Secondary Stage) — विषयों की स्वतंत्रता और गहरा चिंतन

शिक्षक साथियों, 5+3+3+4 संरचना का अंतिम और चौथा पड़ाव यानी 'माध्यमिक चरण' (कक्षा 9 से 12, आयु 14 से 18 वर्ष) चार वर्षों की एक निरंतर यात्रा है। इस चरण की सबसे क्रांतिकारी विशेषता यह है कि यहाँ 'स्ट्रीम' (Stream) की पुरानी दीवारों को गिरा दिया गया है। अब यह अनिवार्य नहीं है कि विज्ञान पढ़ने वाला छात्र इतिहास नहीं पढ़ सकता या कला का छात्र भौतिकी नहीं सीख सकता। NEP 2020 ने छात्रों को विषयों के चुनाव की अभूतपूर्व स्वतंत्रता दी है, जिसे 'बहु-विषयक दृष्टिकोण' (Multidisciplinary Approach) कहा जाता है।

इस चरण का मुख्य उद्देश्य छात्र के भीतर 'आलोचनात्मक सोच' (Critical Thinking) और 'उच्च-स्तरीय मानसिक क्षमता' विकसित करना है। यहाँ शिक्षक का कार्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं है, बल्कि छात्र को इस योग्य बनाना है कि वह विभिन्न विषयों के बीच के अंतर्संबंधों को समझ सके और अपने करियर का चुनाव अपनी वास्तविक रुचि के आधार पर कर सके। इस स्तर पर मूल्यांकन की पद्धति में भी बदलाव किया गया है, जहाँ रटने के बजाय 'क्षमताओं' और 'अनुप्रयोग' (Application) पर ध्यान दिया जाता है।

उदाहरण:

इसे एक व्यावहारिक उदाहरण से समझते हैं। कल्पना कीजिए, कक्षा 11 का एक छात्र है जिसे 'फैशन डिजाइनिंग' में रुचि है लेकिन वह 'केमिस्ट्री' (रसायन विज्ञान) भी पढ़ना चाहता है ताकि वह कपड़ों के रंगों और फाइबर की बनावट को वैज्ञानिक रूप से समझ सके। पुरानी व्यवस्था में उसे या तो कला (Arts) लेनी पड़ती या विज्ञान (Science)। लेकिन माध्यमिक चरण में वह शिक्षक के मार्गदर्शन में अपनी पसंद का 'विषय समूह' चुन सकता है।

एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका यहाँ बदल जाती है। जब आप कक्षा में 'लोकतंत्र' या 'जलवायु परिवर्तन' जैसे विषय पढ़ाते हैं, तो आप उसे केवल एक विषय तक सीमित नहीं रखते। आप छात्र को प्रोत्साहित करते हैं कि वह भूगोल के नजरिए से 'जलवायु' को देखे, राजनीति के नजरिए से 'नीतियों' को समझे और अर्थशास्त्र के नजरिए से उसके 'प्रभाव' का विश्लेषण करे। यहाँ आप उसे 'क्या सोचना है' के बजाय 'समग्रता में कैसे सोचना है' सिखा रहे हैं।

इस चरण में छात्र अपने जीवन के सबसे संवेदनशील दौर (उत्तर किशोरावस्था) में होते हैं। यहाँ शिक्षक की भूमिका एक 'कोच' और 'परामर्शदाता' की होती है जो उन्हें केवल शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि भविष्य के व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए भी तैयार करता है। सेमेस्टर प्रणाली और लचीली परीक्षाओं के माध्यम से छात्रों के तनाव को कम करना और उन्हें 'स्वयं के मूल्यांकन' (Self-Assessment) के लिए प्रेरित करना इस चरण की सफलता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि माध्यमिक चरण में हमें छात्र को केवल 'परीक्षा' के लिए नहीं, बल्कि 'जीवन' के लिए तैयार करना है। यहाँ उसे अपनी पसंद को खोजने और उसे निखारने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। शिक्षक के रूप में हमारा संवर्धन तभी होगा जब हम छात्रों को रूढ़िवादी सोच से बाहर निकालकर उन्हें एक व्यापक और लचीला दृष्टिकोण प्रदान कर सकें। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा के छात्र भविष्य की चुनौतियों के लिए 'स्वतंत्र विचार' विकसित कर पा रहे हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 47.

आधुनिक कृषि से समृद्धि – मैट्रिक केबाद 'बागवानी (हॉर्टिकल्चर)' में डिप्लोमा

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है और यहाँ की मिट्टी 'सोना' उगलती है। लेकिन अब समय पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक और व्यावसायिक खेती अपनाने का है। यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है, तो 'बागवानी (Horticulture)' में डिप्लोमा आपके लिए एक बेहतरीन अवसर है। इसमें फलों, फूलों, औषधीय पौधों और सब्जियों को उगाने की आधुनिक तकनीक सिखाई जाती है, जिसकी मांग बाज़ारों में बहुत अधिक है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

यह कोर्स पौधों के प्रजनन, नर्सरी प्रबंधन, ग्रीनहाउस तकनीक और आधुनिक सिंचाई पद्धतियों पर केंद्रित है।

- **अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।**
- **अवधि: 1 वर्ष से 2 वर्ष (संस्थान के आधार पर)।**

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में कृषि और बागवानी की पढ़ाई के लिए देश के बेहतरीन संस्थान मौजूद हैं।

- **प्रमुख संस्थान: बिहार कृषि विश्वविद्यालय (BAU), सबौर (भागलपुर) और इसके अंतर्गत आने वाले विभिन्न कृषि महाविद्यालय। इसके अलावा, नालंदा स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल्स' (चंडी) में भी विशेष प्रशिक्षण दिए जाते हैं।**
- **नामांकन: बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (BCECE) या विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशिष्ट डिप्लोमा प्रवेश परीक्षा के माध्यम से।**
- **वेबसाइट: bausabour.ac.in और bceceboard.bihar.gov.in**

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस कोर्स को करने के बाद आप न केवल नौकरी पा सकते हैं, बल्कि दूसरों को रोजगार दे भी सकते हैं:

- **सरकारी सेवा: प्रखंड उद्यान पदाधिकारी (BHO) के सहायक, कृषि सलाहकार या सरकारी नर्सरी में 'उद्यान पर्यवेक्षक' के रूप में।**
- **निजी क्षेत्र: खाद और बीज कंपनियों, लैंडस्केपिंग कंपनियों (बड़े शहरों और मॉल्स में सजावट), और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स में।**
- **स्वरोजगार: अपनी स्वयं की हाई-टेक नर्सरी, मशरूम उत्पादन केंद्र या औषधीय पौधों की खेती शुरू कर सकते हैं। बिहार सरकार इसके लिए भारी सब्सिडी भी प्रदान करती है।**

4. वित्तीय सहायता:

- **बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: यदि आप किसी मान्यता प्राप्त कृषि विश्वविद्यालय या कॉलेज से डिप्लोमा करते हैं, तो बिहार सरकार आपको ₹4 लाख तक का शिक्षा ऋण प्रदान करती है।**
- **उद्यान विभाग की योजनाएं: बिहार सरकार का उद्यान निदेशालय (Directorate of Horticulture) नए उद्यानों और नर्सरी के लिए 50% से 90% तक की सब्सिडी देता है।**
- **वेबसाइट: horticulture.bihar.gov.in और 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in**

मेरी सलाह: बिहार की अर्थव्यवस्था कृषि पर टिकी है। यदि आप अपनी मिट्टी से जुड़कर तकनीक के साथ काम करना चाहते हैं, तो बागवानी विशेषज्ञ के रूप में आप बहुत सफल हो सकते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

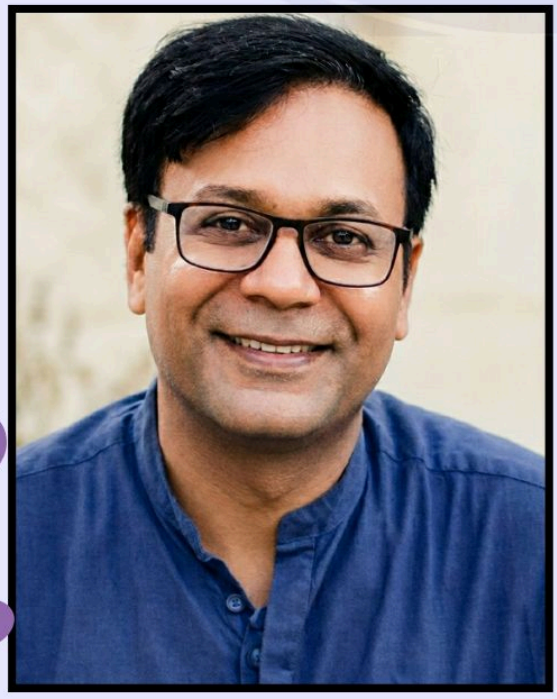

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org